अगले महीने मुंबई पहुंचेगी मेट्रो-3 की पहली रेक

Pankaj.Pandey
@timesgroup.com

अप्रैल में शुरू हो सकता है ट्रायल रन

■ **मुंबई:** मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो कॉरिडोर पर अप्रैल या मई में पहली बार मेट्रो दौड़ सकती है। कॉरिडोर पर ट्रायल रन शुरू करने के लिए आंध्रप्रदेश के श्रीसिटी में मेट्रो की पहली रेक बनकर तैयार हो चुकी है। अगले डेढ़ माह में यह रेक मुंबई पहुंच जाएगी। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमएमआरसीएल) के एक अधिकारी के मुताबिक, रेक के मुंबई पहुंचने के बाद ट्रायल रन आरंभ करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। कोलाबा-बांद्रा-सिप्ज के बीच 33.3 किमी लंबे मेट्रो 3 कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। पूरे मार्ग पर 97 फीसद तक टनल का काम पूरा हो चुका है। दो से तीन महीने में 100 फीसद भूमिगत मार्ग तैयार कर लिया जाएगा। पूरे कॉरिडोर का सिविल वर्क भी करीब 76 प्रतिशत तक पूरा किया जा चुका है।

कॉरिडोर के लिए आंध्र प्रदेश की श्रीसिटी में मेक इन इंडिया के तहत 8 डिब्बों की रेक तैयार की जा रही है। एमएमआरसीएल अत्याधुनिक सुविधा के साथ यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए 31 ट्रेन का निर्माण करवा रही है। यह ट्रेन ड्राइवर लैस होंगी। इसके अलावा कोच फुल एसी होंगे, साथ ही कोच के अंदर एलसीडी स्क्रीन, डिजिटल मैप इंडीकेटर, अग्नि शमन यंत्र, स्मोक डिटेक्टर, इमरजेंसी के लिए वायस कम्युनिकेटर और पीएम सिस्टम भी होगा। इसके अलावा शारीरिक रूप से दिव्यांग व्यक्ति के लिए डेडीकेटेड वीलचेयर एरिया की भी व्यवस्था ट्रेन में की गई है।

10 हजार किमी दौड़ेगी मेट्रो

ट्रायल रन के दौरान रूट पर 10 हजार किमी तक मेट्रो को दौड़ाया जाएगा। पूरी सुरक्षा मानकों की जांच के बाद ही यात्रियों के लिए कॉरिडोर को खोला जाएगा। मेट्रो 3 कॉरिडोर के बनने से दक्षिण मुंबई से उपनगर तक पहुंचना बेहद आसान हो जाएगा। बता दें कि मुंबई में मेट्रो 7 और मेट्रो 2 ए कॉरिडोर पर पहले ही मेट्रो का ट्रायल रन हो चुका है। मार्च तक जांच की प्रक्रिया पूरी होने की उम्मीद है।

ऐसी होंगी रेक

- बगैर चालक की ट्रेन
- एलसीडी स्क्रीन
- डिजिटल मैप इंडिकेटर
- अग्निशमन यंत्र
- स्मोक डिटेक्टर
- वीलचेयर

मरोल मरोशी में ट्रायल होगा

केंद्र और राज्य सरकार के बीच जारी विवाद के चलते अब तक कॉरिडोर के कारशेड की जगह का चयन नहीं हो पाया है। कारशेड के न होने की वजह से प्रशासन को रेक की देखरेख में दिक्कतों हो सकती है। सरकार ने कॉरिडोर के पूरे मार्ग के बजाय शुरुआती चरण में मेट्रो के कुछ स्टेशनों के बीच ट्रायल रन की योजना तैयार की है। मरोल मरोशी से मेट्रो के ट्रायल रन की शुरुआत होगी।

14 किमी तक बिछी पटरी

एमएमआरसीएल ने टनल तैयार करने के साथ ही मार्ग पर पटरी बिछाना शुरू किया है। अब तक 14 किमी से अधिक के मार्ग पर ट्रैक बिछाया जा चुका है। 100 वर्ष से अधिक पुरानी इमारतों के नीचे से यह मेट्रो गुजरने वाली है। ट्रेन के चलने से होने वाले कंपन को कम करने के लिए विश्व का सबसे हाईटेक रेलवे ट्रैक (जापान) का इस्तेमाल किया जा रहा है।